



दादा भगवान के 10 नियम  
जीवन में खुशहाल रहने के ...



1. तुम्हारी जिंदगी में बहुत समस्याएँ हैं। तुम चिंता छोड़ दो. क्या तुम भूल गए हो, मैं तुम्हारे कितने पास हूँ। तुम क्यों चिंताओं से घिरे हो। मैं तुम्हारा सारा बोझ लेने को तैयार हूँ। चिंता ताकी कीजिए . . . ॥ सो साहिब . . ॥
2. तुम अपनी चिंता मेरी list में डाल दो। तुम्हारी समस्याओं को मैं सुलझाऊँगा। इच्छाओं को पूरा करूँगा, जब तू मेरे पास आएगा। चाहे मैं मेरे की list लम्बी हो जाए, पर मैं भगवान हूँ। सुई की नोक से हाथी को निकाल सकता हूँ, तो क्या तुम्हारी समस्याएँ दूर नहीं करूँगा।
3. अपनी चिंता गुरु को दे दी तो वापस मत लो। सपने न देखो कल के, अभी की मौज लो। वाणी खाली सुननी नहीं, जाननी है। सुनह - कहत - रहत मत पावे।
4. तुम शक्तिशाली क्यों महसूस कर रहे हैं? क्योंकि तुमने सारे बोझ मुझे दे दिए हैं। मैं सारे बोझ वापिस कर दूँ तो तुम वहीं के वहीं खड़े हो जहाँ से तुम चले थे। ये सारी शक्ति मैंने तुम्हारे अंदर डाली है। मुझसे बात करो, जो बात परेशान कर रही है। एक बात का वायदा चाहता हूँ कभी मुझसे बात करना नहीं छोड़ना। अपने वालों की बात मुझसे अंदर ही अंदर करो।
5. पति- बेटा- बहू कोई टेढ़ा नहीं चल रहा। वह तो सब रूपों में मेरी घड़ाई कर रहा है। सही मायने में पूजा- प्रार्थना करना माना - मुझसे अंदर ही अंदर बात करना।

6. गर्भवती के पैर भारी होते हैं, सब काम छूट जाते हैं। जब तू ज्ञान से भारी होगा, सब आपे छूटेगा।

7. जब तुम 2 साल के थे, तुमसे कहा जाता था बाँटो - बाँटो। अपनी खुशियाँ उनको बाँटो जो बेबस, लाचार, निराश हैं। बाँटने से बढ़ती हैं।

8. खबर रखो - मैंने तुम्हारी जिंदगी अलग- अलग तरह की बनाई है। तुम अधीरज क्यों होते हो। थोड़ा धीरज करो - मेरे timing पर विश्वास रखो। मैं पूरा perfect हूँ। कच्चा फल नहीं दे सकता। पूरा पका फल करके दूंगा। क्या मैं तुम्हारी समस्या दूर नहीं कर सकता?

9. रहम दिल बनो। जो मेरे पास आता है उससे भी मेरा प्यार है, जो नहीं आता उससे भी...।

10. अपने आप से प्यार करो। मुझसे प्यार करो। मैं प्यार का सागर हूँ। मेरा दिल दुखता है जब मैं देखता हूँ कि तुम अपने आप से गुस्सा खाते हो। तुमको दीन-हीन बनकर नहीं रहना। तुम 'गुरुवान' हो। तुम मेरे लिए बहुत कीमती हो, यह कभी मत भूलना।

हरि ॐ

